VISION IAS

www.visionias.in

SUBJECT:	Essay	Test Code:	1 7 5 4
Name of Candidate	ROSHAN MEENA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	0 0 4 1 4 4
Center	ONLINE	Date	1 2 1 1 2 1

INDEX TABLE

Q. No.	Page No.	Maximum Marks	Marks Obtained

Total Marks Obtained:

Remarks :

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
4. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
6. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Section A

1 बिना विचार के कार्यवाई व्यर्थ है। बिना कार्यवाई विचार शून्य है।

"ज्ञान दूर है क्रिया भिन्न है
इच्छा क्यों पूरी हो मन की।
एक-दूसरे से ना मिल सके
यह विडंबना है जीवन की॥"

विचार, क्रिया के मध्य असम्बद्धता को प्रस्तुत करने वाली उपरोक्त पंक्तियों में छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद ने विचार और क्रिया के मध्य समन्वय की जरूरत को बताया है।

'विचार' को प्रायः ज्ञान, सोच, योजना और चिंतन के रूप में जाना जाता है। 'विचार' ही व्यक्ति को पशु की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

श्रेणी से बाहर कर मनुष्य की श्रेणी में लाता है। विचार के माध्यम से हम भविष्य का पूर्वानुमान लगाते है और फिर उस अनुरूप अपने लिए रणनीति तैयार करते है। जैसे एक विद्यार्थी द्वारा दिन भर की समय-सारणी तैयार करना।

वहीं कार्रवाई हमारे कृत्य, उद्यम की अभिव्यक्ति है। जहां विचार अमूर्त होता है केवल कल्पना होती है वहीं कार्रवाई विचार को मूर्त धरातल पर स्थापित करती है। उदाहरण के लिए किसी इंजीनियर द्वारा तैयार नक्शे के आधार पर मिस्त्री, मजदूर मिलकर भवन का निर्माण करते है।

किंतु प्रश्न उठता है कि क्या हो यदि बिना विचार किये ही कार्रवाई करें? क्या बिना विचारित कार्रवाही व्यर्थ हो जाएगी?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बिना विचार के कार्रवाई करने को हम कई आयामों से समझ सकते है ताकि बिना विचार कार्रवाई व्यर्थ होने को जान सके।

बिना विचार के कोई कार्य करना दिशा हीन स्थिति की तरफ ले जा सकता है जैसे किसी निबंधकार द्वारा निबंध के निर्माण को सही दिशा तभी दी जा सकती है जब उसे पता हो की उसके निबंध की रूपरेखा क्या होगी उसे, किस दिशा में उसे ले जाना है।

अब हम बिना विचार के कार्रवाई को राजनीतिक क्षेत्र में भी देख सकते है। भारतीय संविधान निर्माताओं ने संविधान का निर्माण भविष्य में भारत निर्माण कैसा होगा इसके आधार पर किया वहीं पाकिस्तान ने बिना विचारे शासन चलाया जिससे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पाकिस्तान में सैन्य शासन लगा। हिटलर-मुसोलिनी ने विश्व की राजनीति पर नकारात्मक प्रभाव इसी लिए डाले क्योंकि उनके निर्णय बिना विचारे लिये गये थे। जैसे यहूदियों की हत्या का निर्णय। इसका परिणाम विश्व युद्ध की विभीषिका के रूप में सामने आया।

वहीं ~~भारत~~ में जर्मनी का विभाजन करके पोलिस गलियारे का निर्णय हो या फिर वर्साय की अपमानजनक संधि उनके नकारात्मक परिणामों को सभी ने भोगा।

भारत में मुगल राजाओं द्वारा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया को व्यापारिक अधिकार और छूट देने का निर्णय भी बिना विचारे लिया गया जिसके कारण भारत दो शताब्दियों तक गुलाम बना।

आर्थिक क्षेत्र में देखें तो 1929 और 2008 की आर्थिक मंदियों का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारण बैंकों द्वारा बिना विचारे ऋण देने का परिणाम था। जिसके कारण सम्पूर्ण विश्व को नकारात्मक प्रभावों को झेलना पड़ा।

भारत में विमौद्रिकरण के निर्णय को भी कुछ वैश्विक अर्थशास्त्री बिना विचारे निर्णय के रूप में देखते है जिस कारण 2016 से 2021 के पाँच वर्ष उपरांत भी इसके सकारात्मक लाभों की तुलना में नकारात्मक प्रभाव अधिक दिखे।

इसी प्रकार भारत के 1991 उपरांत के आर्थिक विकास मॉडल का परिणाम बढ़ती असमानता और रोजगार विहीन विकास को विश्व बैंक ने बिना विचारे निर्णयों का परिणाम बताया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आधिक क्षेत्र से स्तर विज्ञान के क्षेत्र में परमाणु तकनीक का हिरोशिमा एवं नागासाकी पर परमाणु हमले (अगस्त 1945) की घटनाओं को बिना विचारे कार्रवाई की संज्ञा दी जाती है जिसके कारण दोनों शहरों के लाखों लोगों की मृत्यु हुई और विश्व में परमाणु प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी।

हथियारों का बिना विचारे निर्माण और व्यापार भी हिंसा, तनाव, टकराव को बढ़ा रहा है।

पर्यावरण को मनुष्य के बिना विचारे कार्रवाई का सर्वाधिक परिणाम भुगतना पड़ रहा है चाहे वह तापमान वृद्धि हो या जैव विविधता का तीव्रता से नष्ट होना। मनुष्य IPCC, UNEP की रिपोर्टों की अनदेखी कर जीवाश्म ईंधन का तीव्रता से दोहन कर रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यक्तिगत जीवन में बिना विचारे कारवाई को देखे तो अगर कोई व्यक्ति सफल होना चाहता है तो उसे अनुशासित और विचारपूर्वक रणनीति बनानी ही होगी।

अब हम देखेंगें कि बिना विचार किये कारवाई ही नहीं बल्कि बिना कारवाई विचार कैसे शून्य हो जाता है?

केवल विचार ही करते रहना और उसपर कोई कारवाई नहीं करना उस विचार के प्रभाव को शून्य कर देता है।

भारत ने 12 पंचवर्षीय योजनाओं को क्रियान्वित किया। इन सभी योजनाओं के लक्ष्य गरीबी, भुखमरी की समाप्ति और तीव्र आर्थिक विकास रखा किंतु

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विश्व बैंक के अनुसार आज भी 19.3 करोड़ भारतीय भूखे सोते है। मातृत्व मृत्यु पर 120 से अधिक है (प्रति एक लाख) तो वहीं 35% बच्चे किसी न किसी प्रकार के कुपोषण से ग्रस्त है।

यह सब योजनाओं को व्यवहार मे ठीक से क्रियान्वित नहीं करने का ही परिणाम है [द्वितीय ARC ने माना]

वहीं सामाजिक स्तर पर देखे तो हमने संविधान मे तथा विभिन्न कानूनों के माध्यम से छूआछूत, महिला गरीमा बाल हत्या रोकने, बलात् श्रम रोकने तथा साम्प्रदायिक सौहार्द्र के विचार को देखा किंतु आज वाक् की फाउन्डेशन की रिपोर्ट, मुजफ्फरनगर दंगे, बेंगलुर में असमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों का विरोध होना कारवाई के स्तर पर प्रभावशून्य नजर आते है।

पर्यावरण के स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल हो या पेरिस जलवायु लक्ष्यों की घोषणा किंतु कारवाई के स्तर पर इन लक्ष्यों की प्राप्ति दिखाई नहीं देती। अमेरिका जैसे सम्पन्न देश केवल गाल बजाते है किंतु स्वयं पेरिस जलवायु लक्ष्यों की प्रतिबद्धता से पीछे हट जाते है।

वैश्विक स्तर पर इसी प्रकार सहस्त्र शताब्दी विकास लक्ष्य (2000-2015) और सतत् विकास लक्ष्य (SDG) 2015-2030 रखे गये है किंतु कारवाई के स्तर पर अफ्रीकी, दक्षिणी एशिया के देश बहुत पिछड़ रहे है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत की शिक्षा नीति ~~2000~~ 1986

स्वास्थ्य नीति 2017 में खर्च का लक्ष्य क्रमशः 6% तथा 4% जी.डी.पी का रखते है किंतु अन्य लक्ष्यों के साथ-साथ इन लक्ष्यों की प्राप्ति में भी पिछड़ा हुआ है।

अतः महत्वपूर्ण है कि विचार और उस विचार की मूर्तता हेतु कार्यवाही दोनो में तारतम्यता हो तभी कोई विचार यथार्थ हो पायेगा। इसके लिए आवश्यक है कि गंभीरतापूर्वक विचार का निर्माण हो और उतनी ही गंभीरता से उसके क्रियान्वयन की दिशा में बढे।

विचार करने और उसके क्रियान्वयन के मध्य आने वाली बाधाओं को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रारंभ में ही पहचानना होगा। शासन के अनुसार निर्णय निर्माण की क्षमता विचारों को क्रियान्वित करने में योगदान देती है।

अतः हमें अल्पकालीन लक्ष्य, दीर्घकालीन लक्ष्यों को तय करना चाहिए और अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए कमियों को दूर करते हुए आगे बढ़ना चाहिए तभी हम अपने पर्यावरण के प्रति कर्तव्य, व्यक्तिगत जीवन के प्रति प्रतिबद्धता और अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान कर पाएँगे।

चर्चिल के शब्दों में अंत करते हुए –
"अगर मुझे किसी पेड़ को काटने के लिए 6 घंटे मिलते हैं तो मैं 4-5 घंटे कुल्हाड़ी की धार तेज करने में लगाऊँगा।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Section B

8. क्या क्रिप्टोकरेंसी कोई बड़ी शुरुआत है?

"मेरे विचार में भविष्य की मुद्रा डिजिटल मुद्रा होगी। भौतिक मुद्रा का अंत नजदीक है।"

'एलन मस्क'

डिजिटल मुद्राओं के संदर्भ में 21वीं सदी के बिजनेस टायकून एलन मस्क की भविष्यवाणी सही प्रतीत होती दिख रही है जब भारत, चीन, अमेरिका ब्रिटेन क्रिप्टोकरेंसी की दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं।

क्रिप्टोकरेंसी को बड़ी शुरुआत मानने से पूर्व हम क्रिप्टोकरेंसी के इतिहास, इसके महत्व और गुणों को देखेंगे ताकि गुण-दोष आधार पर इसका मूल्यांकन कर सकें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्रिप्टोकरेंसी की शुरुआत 2008 में जापान से हुई। जब सतोषी नाकामोतो नामक व्यक्ति ने दुनिया की पहली डिजिटल मुद्रा बिटक्वाइन (B) जारी की। इसके उपरांत 2013 एवं बाद में डोजीकॉइन, डिजिलक्ष्मी, जैसी कई डिजिटल करेंसी बाजार में आई। आज 50 से अधिक डिजिटल मुद्रायें अस्तित्व में है।

क्रिप्टोकरेंसी एक डिजिटल मुद्रा होती है जिसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता। कम्प्यूटर के माध्यम से की विशेष गणितीय पद्धति से इसको जेनरेट किया जाता है। कोई भी व्यक्ति इसको खनन कर सकता है। क्रिप्टोकरेंसी पर किसी व्यक्ति-संस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

या देश का प्रभुत्व नहीं होता न ही किसी एक देश तक यह सीमित होती है।

अब हम यह देखेंगे की क्यों क्रिप्टोकरेंसी को बड़ी शुरुआत माना जा रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी एक विशेष साफ्टवेयर तकनीक 'ब्लाकचेन तकनीक' पर आधारित होती है। इसमें भंडारित सूचनायें सभी लोगों के खातों तक उपलब्ध होती है तथा ब्लॉकचैन किसी केंद्रीय सर्वर पर निर्भर नहीं होती। इसी कारण यह अत्यंत पारदर्शी और सुरक्षित होती है।

अभी तक ऐसी कोई तकनीक उपलब्ध नहीं है जो ब्लॉकचैन को तोड़ सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस कारण इसकी सुरक्षा एवं नये डिजिटल ब्लॉकचेन वातावरण निर्माण की शुरुआत का प्रतीक बना हुआ है।

कई मोबाइल कम्पनियां तथा भारत के कई संस्थान ब्लॉकचेन तकनीक को अपना रहे हैं ताकि साइबर हमलों से सुरक्षित रह सके। 'IDBI बैंक' भी बैंकिंग क्षेत्र में ब्लॉकचेन को ला रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी को नई शुरुआत इस लिए भी माना जा रहा है क्योंकि इसका हस्तांतरण तीव्रता से और लागत प्रभावी होता है। परम्परागत वित्त के हस्तांतरण के लिए 'VISA' मास्टरकार्ड' जैसी कम्पनियों पर निर्भर रहना पड़ता है जो महत्वपूर्ण शुल्क लेते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वहीं क्रिप्टोकरेंसी की के समक्ष ये समस्या नहीं है यह तीव्रता से वास्तविक समय पर दुनिया के किसी भी देश में भेजी जा सकती है।

क्रिप्टोकरेंसी को अपनाने एवं बड़ी शुरुआत मानने के पीछे अन्य कारण इसका भौतिक संचरण (उपलब्धता) भी नहीं होना है। जिसके कारण मुद्रा छपाई मे आने वाली लागत की बचत होगी।

क्रिप्टोकरेंसी का अन्य लाभ इसकी आसान निगरानी भी है। यदि भारतीय रिजर्व बैंक स्वयं की क्रिप्टोकरेंसी लाता है तो वह उसके प्रत्येक अंश की वास्तविक समय पर सटीक निगरानी कर सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसका लाभ काले धन के ~~रूप~~ में प्रयोग पर नियंत्रण के रूप में होगा साथ ही मुद्रास्फीति को भी प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा। चुनावों में 'नोट के बदले वोट' पर भी अंकुश लगेगा।

क्रिप्टोकरेंसी केंद्रीय बैंक (भारत में RBI) को मुद्रा पर प्रभावी नियंत्रण ही नहीं देती बल्कि इसके अपनाने से भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी होगा जिसने क्रिप्टोकरेंसी जैसी नवाचारी तकनीक को अपनाया।

इसका लाभ भारत में विदेशी निवेश के आने, भारत से ब्रेन ड्रेन को रोकने में होगा। भारतीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निवेशक क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करके निवेश के नये आयाम खोलेंगे। वर्तमान में IMF अनुसार 0.62% भारतीय ही डिजिटल मुद्रा में निवेश कर रहे हैं। अतः क्रिप्टोकरेंसी नया निवेश द्वार खोली है।

साथ ही युवा भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ क्रिप्टो, ब्लॉकचेन क्षेत्र में नवाचारी रिसर्च भारत में ही करेंगे जिससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम तथा जन धन-आधार- मोबाइल द्वारा प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (DBT) की वर्तमान

स्कीमों को गति मिलेगी और क्रिप्टो मुद्रा में भुगतान से देशवासियों की गरिमा स्वाभिमान में भी वृद्धि होगी

क्रिप्टोकरेंसी एक बड़ी शुरुआत अभी ही है किंतु अब हमें क्रिप्टोकरेंसी में विद्यमान मुद्दों को भी देखना होगा ताकि क्रिप्टोकरेंसी का सही से मूल्यांकन कर सके।

क्रिप्टोकरेंसी में विद्यमान पहला मुद्दा पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ा है। एक बीटक्वाइन के बनाने में 900 KW से भी अधिक विद्युत की खपत होती है। ऐसी स्थिति में क्रिप्टोकरेंसी एक समावेशी विकल्प नहीं रह जाता है।

इसके अतिरिक्त क्रिप्टोकरेंसी के प्रचलन हेतु डिजिटल शिक्षा आवश्यक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वहीं भारत की मात्र 25% जनसंख्या के पास स्मार्टफोन है और डिजिटल डिवाइड का स्तर ग्रामीण, महिला वर्ग हेतु नकारात्मक बना हुआ है। ऐसी स्थिति में अनपढ़ और डिजिटल अज्ञान लोग कैसे इस तकनीक को प्रयोग करेंगे यह विचार का विषय है।

अर्थशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी से आर्थिक असमानता की खाई और अधिक चौड़ी होगी। निवेश का लाभ सीमित वर्ग ही उठाएगा।

गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय सूचना ब्यूरो की रिपोर्ट अनुसार क्रिप्टोकरेंसी का प्रयोग हथियार तस्करी, नशा तस्करी (मादकपदार्थ) तथा ब्लैक मार्केट में प्रयोग होता है। इस कारण भारत को पर्याप्त सावधानी रखनी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक की हाल ही की रिपोर्ट अनुसार भारतीयों ने विमुद्रीकरण से पूर्व की स्थिति से भी अधिक मात्रा में नकद रखने की प्रवृति को कोविड-19 महामारी में दिखाया इससे स्पष्ट है कि क्रिप्टोकरेंसी के लिए भारतीय ~~बाजार~~ पूर्णत: तैयार नहीं है।

साथ ही क्रिप्टोकरेंसी सम्बन्धी में एक चिंता इसके उपकरणों की चोरी हो जाने, डिवाइसों पर साइबर हमलों द्वारा 'क्रिप्टो key' चुराने तथा शिकायत केंद्रों से जुड़ी है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति क्या करेगा इसकी अस्पष्टता विद्यमान है।

अतः उपर्युक्त चर्चा उपरांत हम देख

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी के लाभ इतने ज्यादा हैं कि हम इसे नहीं शुरुआत कर सकते हैं तक नहीं इसको ~~लागू करने~~ अपनाने के मार्ग में भी कई बाधायें विद्यमान हैं।

भारत सरकार और रिजर्व बैंक को चाहिए होगा कि देश में राज्य स्वाधिकार वाली देसी डिजिटल रूपये को अपनाया जाए ताकि क्रिप्टोकरेंसी के लाभों से वंचित होने से बच सके। साथ ही एक राष्ट्रीय क्रिप्टोकरेंसी कानून और दिशानिर्देश हो जिसमें शिकायत समाधान तंत्र और निधिक सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

इसके अतिरिक्त डिजिटल शिक्षा की दिशा में तीव्रता से आगे बढ़ना होगा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिससे सभी लोग नवीन तकनीकों को आसानी से आत्मसात कर सके।